Near Joy

निकट का आनंद

Phil 4:4-7

फिलिप्पियों ४:४-७

Pastor Bryan Chapell

पास्टर ब्रायन चैपल

03.05.17

३.५.१७

Introduction: The Discomfort of Joy “always”

प्रस्तावना :आनंद की बेचैनी "हमेशा"

Key question: What are the true sources of comfort in the Christian life?

 मुख्य सवाल : एक ईसाई के लिए आश्वासन के क्या स्रोत है ?

1. Joy (v 4-5)

आनंद (व् ४-५)

1. The command: “rejoice, always” (v4)

आज्ञा : "हमेशा आनंद करो" (व् ४)

1. The source: God’s Presence (v4b+5b)

स्रोत : परमेश्वर की उपस्थिति

c.       The effect: Reasonableness (v5a)

  प्रभाव : यथोचित

The application: replacing anxiety with prayer (v6a)

 चिंता के बदले प्रार्थना करना

1. Prayer (v6)

प्रार्थना करना (व् ६)

1. The command: Pray (v6b)

आज्ञा : प्रार्थना करो

1. The subject: everything (v6c)

विषय : सब कुछ

1. The action: Request (v6d)

कार्य : विनती

d.      The attitude: Thanksgiving (v6c)

  रवैया : कृतज्ञता

The result = peace

परिणाम = शांति

1. Peace (v7)

शांति (व् ७)

1. It’s nature: surpassing understanding (v7a)

उसकी प्रकृति : शान्ति, जो समझ से बिलकुल परे है,

b.      It’s effect: surpassing opposition (v7b)

 उसका प्रभाव : बहुत अधिक विरोध